

सार-समाचार

पन्ना

शास. हाई स्कूल नेपाली नेमाया गया शिक्षक दिवस

सागर, देशबन्धु। पूर्व राष्ट्रपति सर्वोच्ची राधाकृष्णन के जनसदिन पर आयोजित शिक्षक दिवस शास. हाई स्कूल मेनपानी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य अंनु श्रीवास्तव ने सभी छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर शहीन एजाज, अर्चना, लता कुम्ही, मनोज नेमा, राजेश दुबे, विशाल चौधे, शांति समध, शिवाकांत अहिरवार पर छात्राओं द्वारा आयोजित कार्यक्रम के उपलक्ष्य में बच्चों को अपनी तरफ से उपरान्त दिए। इस अवसर पर संस्था की प्राचार्य एवं शिक्षकों ने बुधवारण पर भी कार्यक्रम का उपलक्ष्य दिए।

ग्राम पंचायत डिलोना में शिक्षक दिवस मनाया

बण्डा, देशबन्धु। ग्राम पंचायत डिलोना में शिक्षक दिवस मनाया गया। जिसमें सभी शिक्षकों का राम बिहारी सिंह मदले ने रोपी माता पेन डायरी देकर सम्पादन किया। साथ ही सभी शिक्षकों से ग्राम पंचायत के बच्चों को सही दिशा और संस्कार देने को कात्ती कही गयीकैं बच्चे कञ्चे घड़ा के जैसे होते हैं उन्हें शिक्षक जैसा बदल जाते हैं सभी शिक्षकों से निवेदन पूर्वक बच्चों के ऊन्जवल भविष्य की कामना के साथ सभी शिक्षकों ने बच्चों के लिए प्रेरक बाबत कहे स्कूल के सभी छात्रों ने भी शिक्षकों का सम्मान किया और नए कार्यक्रम करने के लिए संकल्पित हुए। शिक्षकों में कमलेश साहू, हरिराम अहिरवार, अमुतलाल राय, बलराम खेंगी लोही, सीमा सेन, आरती युगा, नन्दिनी कोपले, पल्लवी चौधरी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन स्कूल प्राचार्य कमलेश साहू ने किया एवं आभार माना।

इतवारी वार्ड से 30 लैसों को डेयरी विस्थापन स्थल रत्नाना नगर निगम

सागर, देशबन्धु। निरामयुक्त चंद्रशेर रुक्ता के निर्वेशासार सहायक आयुक्त राजेश सिंह की उपस्थिति में हुई कार्रवाई के तहत इतवारी वार्ड से सुकेश यादव की डेयरी की 30 लैसों को डेयरी विस्थापन स्थल रत्नाना नगर निगम

के बाह्य द्वारा शिपट किया गया। इस अवसर पर पार्षद बाबू संहेद्र यादव व्यक्तिगत अधियान के चरते शहर हित में स्वयंगो करने पर डेयरी संचालक मुकेश यादव एवं अन्य पशुपालकों का उपयोग परहनकर स्वागत किया। कार्रवाई के द्वारा दल प्रभारी शिवनारायण रैकवार, राजू रैकवार, उमेश चौरसिया, पुलिस बल सहित दल के सभी कर्मचारी उपस्थिति थे।

जनसुनवाई में आए 55 आवेदन

पन्ना, देशबन्धु। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में अधिकारियों ने आम लोगों की समस्याओं को अन्धारपूर्वक सुना और तपतरा से समस्याओं का निराकरण किया। जिसे 55 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

शक्कर कारखाना चालू करना ग्रामीणों की आवश्यकता



► आधा दर्जन गांवों के लोगों ने की बैठक

गुरा, देशबन्धु। शक्कर कारखाना चालू करो संघर्ष समिति द्वारा ग्राम भूताए में आसपास के गांव के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक्टूबर को होने वाली मोटरसाइकिल रेली को सफल बनाने की योजना गया।

समिति के सदस्यों ने बताया कि शक्कर कारखाना जो पिछले काफी लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है, उसका चालू होना आज किसानों की मूलभूत जरूरत बन चुका है। इस शक्कर के जनप्रतीक्षियों के बाने संघर्ष कारखाना चालू करने की आवश्यकता है।

शक्कर कारखाने को शुरू करने की मांग के किसान प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। जिसमें ग्राम उदयपुरी, काकवास बमोरिया, सनोतिया और बैरांखेड़ी गांव के किसान शामिल हुए। मीटिंग में अलग-अलग गांव से आए किसान प्रतिनिधियों ने शक्कर कारखाना चालू करने की मांग पर अंदोलन को आगे बढ़ावा दिए। जिसमें 3 अक

केन्द्रीय मंत्री ने एलिम्को की कृत्रिम अंग फिटिंग केन्द्र का किया भूमिपूजन

सहायक उत्पादन इकाई दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पथर : डॉ. कुमार

टीकमगढ़, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार तथा टीकमगढ़ लोकसभा क्षेत्र के संसद डॉ. वीनोन्द्र कुमार ने ग्राम पहाड़ी खुर्द तहसील टीकमगढ़ में भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) की सहायक उत्पादन इकाई एवं कृत्रिम अंग फिटिंग केन्द्र का भूमिपूजन किया। इसके साथ ही उन्होंने परियोजना कार्यालय का उद्घाटन भी किया।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. कुमार ने सर्वप्रथम अतिथियों के साथ विधि विधान से पूजन कर भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) की सहायक उत्पादन इकाई एवं कृत्रिम अंग फिटिंग केन्द्र का भूमिपूजन किया। तत्पश्चात उन्होंने परियोजना कार्यालय का फीटो काटक उड़ाया किया।

इस अवसर पर टीकमगढ़ विधायक राजेश



बुन्देलखण्ड क्षेत्र में अपनी तरह की पहली और एकमात्र उत्पादन युनिट होगी जो आने वाले समय में क्षेत्र के दिव्यांगजनों और विष्णु नागरियों के दिशा में मील का पथर साक्षित होगी। उन्होंने कहा कि जिले में एलिम्को इकाई लगाभग 7 एकड़ क्षेत्र में 35 करोड़ रुपये से अधिक के अनुमति बट्ट के साथ बनाई जा रही है। टीकमगढ़ में इस नयी सुविधा के बाने के बाए एलिम्को द्वारा सहायक उपकरणों का उत्पादन और वितरण का कार्य भी शुरू किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उपकरणों उपकरणों के मूल्यांकन और कृत्रिम अंग प्रदान करने को सुविधा के लिये विशेषज्ञों के साथ एक आधिकारित और प्रोस्थेटिक

सेंटर भी होगा। उत्पादन के अतिरिक्त आधिकारिक कृत्रिम अंग फिटिंग सेंटर के माध्यम से दिव्यांगजनों को आधिकारिक कृत्रिम अंग की सुविधा भी उपलब्ध हो पायेगी। यूनिट में बैल चेयर, मैट्राइज़न्ड ट्राइसाइकिल, मैनुअल ट्राइसाइकिल, बैसाखी, श्रवण चंत्र जैसे सहायक उपकरणों और उपकरणों का पयांग स्टॉक रखने के लिये एक गोदाम भी होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र में एक पूरी तरह से सुसज्जित उपकरण सुधार सेवा केन्द्र भी बनाया जायेगा। साथ ही उपकरण प्रदान करने के बाद केन्द्र यह सुनिश्चित करेगा कि दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्राप्त होने के बाद किसी भी समस्या का सामना नहीं करने पड़े।

डॉ. कुमार ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत

सरकार अंतर्गत कार्यरत एलिम्को उच्चकोटि के आधिकारिक उपकरण व कृत्रिम अंग के निर्माण एवं वितरण का कार्य करते हुये अपने 50 वर्ष पूरे कर चुका है। उन्होंने कहा कि हमें एलिम्को की एक इकाई की जरूरत बुन्देलखण्ड क्षेत्र के दिव्यांगजनों के लिये महसूस हुई। मध्य प्रदेश सरकार से हमारे मंत्रालय द्वारा टीकमगढ़ जिले में भूमि आवंटन के लिये सहायता मांग गया और मध्य प्रदेश द्वारा ग्राम पहाड़ी खुर्द में भूमि प्रदान की गई और हमने अविवेक एलिम्को की इकाई के निर्माण के लिये एलिम्को के अधिकारियों को निर्देश दिया।

वर्तमान में एलिम्को अपने 5 सहायक उत्पादन केंद्रों के माध्यम से पूरे देश के दिव्यांगजनों के लिये सहायक उपकरणों के निर्माण का कार्य कर रहा है। साथ ही क्षेत्र की स्थानीय जनता के लिये प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजार के अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि लाभांशियों द्वारा प्राप्त किये गये सहायक उपकरणों और उपकरणों का पयांग स्टॉक रखने के लिये एक गोदाम भी होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र में एक पूरी तरह से सुसज्जित उपकरण सुधार सेवा केन्द्र भी बनाया जायेगा। साथ ही उपकरण प्रदान करने के बाद केन्द्र यह सुनिश्चित करेगा कि दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण प्राप्त होने के बाद किसी भी समस्या का सामना नहीं करने पड़े।

केटी मेमोरियल पब्लिक उमा विद्यालय में शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मानित

जीवन के अंधियारे का उजला दीपक है गुरु: सुरेंद्र ग्रिपाठी



पलेरा, देशबन्धु। नगर के केटी मेमोरियल पब्लिक हायर सेकेंडरी विद्यालय में शिक्षक दिवस के अवसर पर सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान किया गया। केटी मेमोरियल पब्लिक हायर सेकेंडरी विद्यालय के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी ने कहा कि शिक्षक हर व्यक्ति के जीवन का वह दीपक होता है, जो उसे अज्ञान के जीवन का डार्कनेस बढ़ाता है। उसे अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के डार्क्यारे तक ले जाने का काम करता है।

विद्यालय के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी ने उपस्थित विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बताया कि हर साल 5 सितंबर भारत में भारत रत्न से सम्मानित देश के पहले उपराष्ट्रीय और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपंचांग राधाकृष्णन के जन्म दिवस के मौके पर शिक्षक दिवस विद्यालय का भाग जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां शिक्षक को भगवान का दर्जा दिया जाता है। अपनी लगान और समर्पण से कई

शिक्षकों ने छात्रों के भविष्य को नया आकार और दिशा दी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अलावा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था के शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जेके जैन, बाबू खान, अनंद दुबे, भवानी प्रसाद रात्कार, केशवदास संजा, नवा खरे, बीबीएप्ल गुप्ता, कृष्णकात निवारी, इंद्रपाल सिंह, भगवत खरे, संतोष रिचर्सन, महेंद्र तिवारी, मानवेंद्र अहिरवार, अशुरोप खरे, महेंद्र सिंह, श्रीमती साधाना त्रिपाठी, तनुष्या दुबे, किरण खरे, आयशा अंजुम, महक गुप्ता, आशी मार, भावना गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, महेश गुप्ता एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का सम्मान संस्था के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी के द्वारा किया गया।

शिक्षकों ने छात्रों के भविष्य को नया आकार और दिशा दी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अलावा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था के शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जेके जैन, बाबू खान, अनंद दुबे, भवानी प्रसाद रात्कार, केशवदास संजा, नवा खरे, बीबीएप्ल गुप्ता, कृष्णकात निवारी, इंद्रपाल सिंह, भगवत खरे, संतोष रिचर्सन, महेंद्र तिवारी, मानवेंद्र अहिरवार, अशुरोप खरे, महेंद्र सिंह, श्रीमती साधाना त्रिपाठी, तनुष्या दुबे, किरण खरे, आयशा अंजुम, महक गुप्ता, आशी मार, भावना गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, महेश गुप्ता एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का सम्मान संस्था के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी के द्वारा किया गया।

शिक्षकों ने छात्रों के भविष्य को नया आकार और दिशा दी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अलावा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था के शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जेके जैन, बाबू खान, अनंद दुबे, भवानी प्रसाद रात्कार, केशवदास संजा, नवा खरे, बीबीएप्ल गुप्ता, कृष्णकात निवारी, इंद्रपाल सिंह, भगवत खरे, संतोष रिचर्सन, महेंद्र तिवारी, मानवेंद्र अहिरवार, अशुरोप खरे, महेंद्र सिंह, श्रीमती साधाना त्रिपाठी, तनुष्या दुबे, किरण खरे, आयशा अंजुम, महक गुप्ता, आशी मार, भावना गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, महेश गुप्ता एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का सम्मान संस्था के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी के द्वारा किया गया।

शिक्षकों ने छात्रों के भविष्य को नया आकार और दिशा दी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अलावा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था के शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जेके जैन, बाबू खान, अनंद दुबे, भवानी प्रसाद रात्कार, केशवदास संजा, नवा खरे, बीबीएप्ल गुप्ता, कृष्णकात निवारी, इंद्रपाल सिंह, भगवत खरे, संतोष रिचर्सन, महेंद्र तिवारी, मानवेंद्र अहिरवार, अशुरोप खरे, महेंद्र सिंह, श्रीमती साधाना त्रिपाठी, तनुष्या दुबे, किरण खरे, आयशा अंजुम, महक गुप्ता, आशी मार, भावना गुप्ता, प्रियंका श्रीवास्तव, महेश गुप्ता एवं अन्य उपस्थित अतिथियों का सम्मान संस्था के संचालक सुरेंद्र ग्रिपाठी के द्वारा किया गया।

शिक्षकों ने छात्रों के भविष्य को नया आकार और दिशा दी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दी।

इसके अलावा शिक्षक दिवस के अवसर पर संस्था के शिक्षकों एवं उपस्थित अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। आयोजित कार्यक्रम में जेके जैन, बाबू खान, अनंद दुबे, भवानी प्रसाद रात्कार, केशवदास संजा, नवा खरे, बीबीएप्ल गुप्ता, कृष्णकात निवारी, इंद्रपाल सिंह, भगवत खरे, संतोष रिचर्सन, महेंद्र तिवारी, मानवेंद्र अहिरवार, अशुरोप खरे, महेंद्र सिंह, श्रीमती साधाना त्रिपाठी, तनुष्या दुबे, किरण खरे, आयशा अंजुम, महक गुप्ता, आशी मार, भावना गुप्ता, प्रियंका श्रीवास

